टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम. ए. हिंदी, प्रथम वर्ष (भाग–१)

मई २००९ परीक्षा

विषय :प्राचीन काव्य (H-102)

दिनांक : २०/५/२००९ **कुलअंक : १००** **समय : प्रात: १०.०० से दो. १.००**

सुचनाएँ : १. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।
२. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

प्रश्न १. अ) रीतिकालीन सामान्य प्रवृत्तियाँ और उसमें बिहारी के प्रतिनिधित्व का विवेचन कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) 'पद्मावत' की कथावस्तु लिखिए ।

प्रश्न २. अ) कबीर की रहस्यानुभूति और प्रेम भावना पर प्रकाश डालिए। **(२०)**

अथवा

ब) तुलसी की भक्ति –पध्दति का विवेचन कीजिए।

प्रश्न ३. अ) सूफी प्रेम काव्य–धारा में जायसी के महत्त्व की चर्चा कीजिए। **(२०)**

अथवा

ब) बिहारी के सौंदर्य–चित्रण की चर्चा कीजिए ।

प्रश्न ४. निम्नलिखित संदर्भों में से किन्हीं दो संदर्भों की व्याख्या कीजिए। **(२०)**

१) काव मारे काव जनमें आई। सरग नरक काव गतिपाई
जल में कुंभ कुंभ में जल हक्बाहरि भीतरि पानी
फूटा कुंभ जल जलहिं समांनां यहु तत कथाक्गियानी।

२) रससिंगार –मंजनु किए, कंजनु भंजनु दव ।
अंजनु रंजनु हूं बिना,खंजनु गंजनु नव।।

३) मन पछिताह्हि अवसर बीते।
दुरलभ देह पाइ हरिपद भजु: करम वचन अरु ही ते ।

४) उर–भाव में माव को घूंघट के दुरि बक्की बिराजति बात बनी।
मृदु मंजु पदारथ भूषण सों सुलसक्दुलसक्रस रुप मनी ।

प्रश्न ५. किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए। **(२०)**

१) बिहारी का काव्य–सौंदर्य।
२) 'विनयपत्रिका' में रसयोजना एवं भावात्मकता।
३) कबीर के निर्गुण राम का स्वरुप।
४) 'पद्मावत' में चित्रित संयोग वर्णन ।

———————